शिव ज्योति अर्पणम् महोत्सव

प्रतिवेदन

लोकमान्य तिलक विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा 1 मार्च 2022 को महाशिवरात्रि पर 'शिव ज्योति अर्पणम' महोत्सव के अंतर्गत 3 दिन तक दीपक को गिनने में भागीदारी की गई। 'शिव ज्योति अर्पणम' शिप्रा के तट पर देवस्थान मंदिर और नगर में घर-घर दीप प्रज्वलित किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के आह्वान पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। शिप्रा नदी के तट पर दोनों और 1300000 दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त नगर के देवस्थल महाकाल मंदिर मंगलनाथ मंदिर काल भैरव गढ़ कालिका सिद्धवट हरसिद्धि मंदिर प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर दीप जलाए जाएंगे। नगर के नागरिक भी अपने घरों पर 5-5 दीप प्रज्वलित करेंगे। उज्जैन नगर निगम के माध्यम से संकल्प पत्र भरे गए हैं। शिव ज्योति महोत्सव में व्यापक संपर्क अभियान के माध्यम से लोगों को जोड़ा गया है। अधिक स्वयंसेवकों, स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि, विद्यार्थी, खिलाड़ी, व्यवसाय एवं सामाजिक संगठन, धार्मिक संस्थानों के प्रतिनिधि सभी अखाड़ों के संत इसके अंतर्गत शामिल हैं। आयोजन स्थल रामघाट की व्यवस्था के लिए ब्लॉक सेक्टर बनाए गए हैं। इनके साथ पर्यवेक्षक भी रहेंगे। इस कार्यक्रम को रिकॉर्ड के रूप में दर्ज कराने के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की टीम भी उज्जैन पहुंच गई है। 'शिव ज्योति अर्पणम' महोत्सव में जीरो वेस्ट का लक्ष्य बनाकर कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई गई है। स्वयंसेवकों के पहचान पत्र क्यू आर कोड ऐप के माध्यम से रीसायकल पेपर से बनाए जाएंगे। महोत्सव के पश्चात दीपों का होम कंपोस्टिंग मटके, कुल्हड़ बनाने में उपयोग किया जाएगा। कार्यक्रम के पश्चात बचे हुए तेल का गौशाला का 3-R और प्रक्रिया के माध्यम से पूर्ण उपयोग होगा। मोमबत्ती को जलाने के लिए पेपर मैच बॉक्स का इस्तेमाल किया जाएगा। उज्जैन वासियों ने 10 मिनट में 11 लाख 71 हजार दीपक जला कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया है। इन्हें 14000 लोगों ने जलाया तथा पूरे शहर में इस उत्सव के दौरान 21 लाख से अधिक दीपक जलाए गए। इस महोत्सव में राष्ट्रीय सेवा योजना के 15 स्वयंसेवकों ने दीपक को काउंटिंग, में जलाने में भागीदारी की। महोत्सव में कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती अनुराधा परमार उपस्थित रही।

पंडित श्री मावाशंकर जी भट्ट
पुत्र - श्री नर्मदाशंकर जी भट्ट

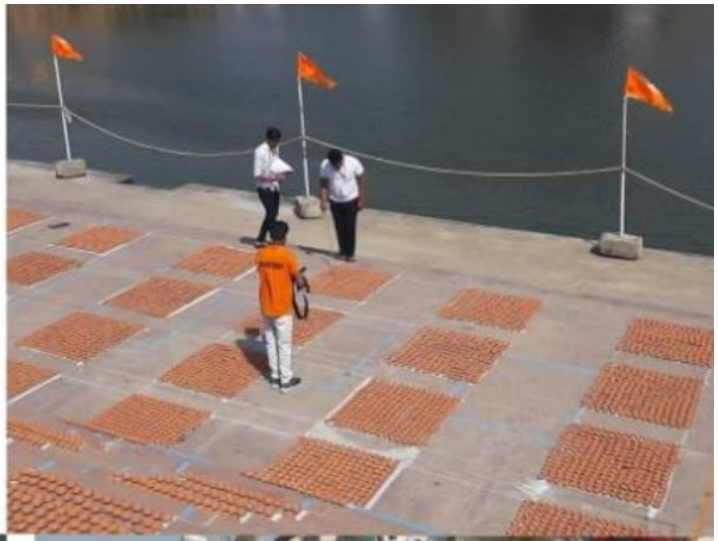

सेक्टर
A-19

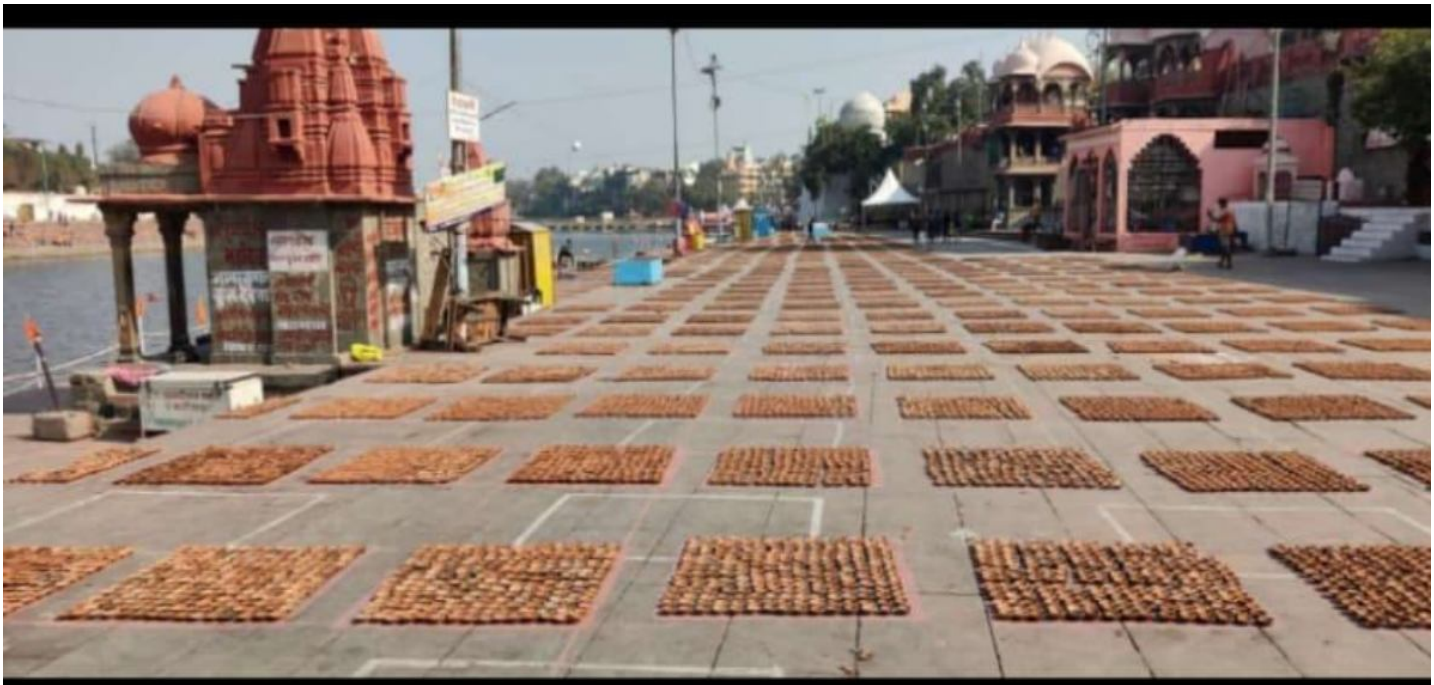

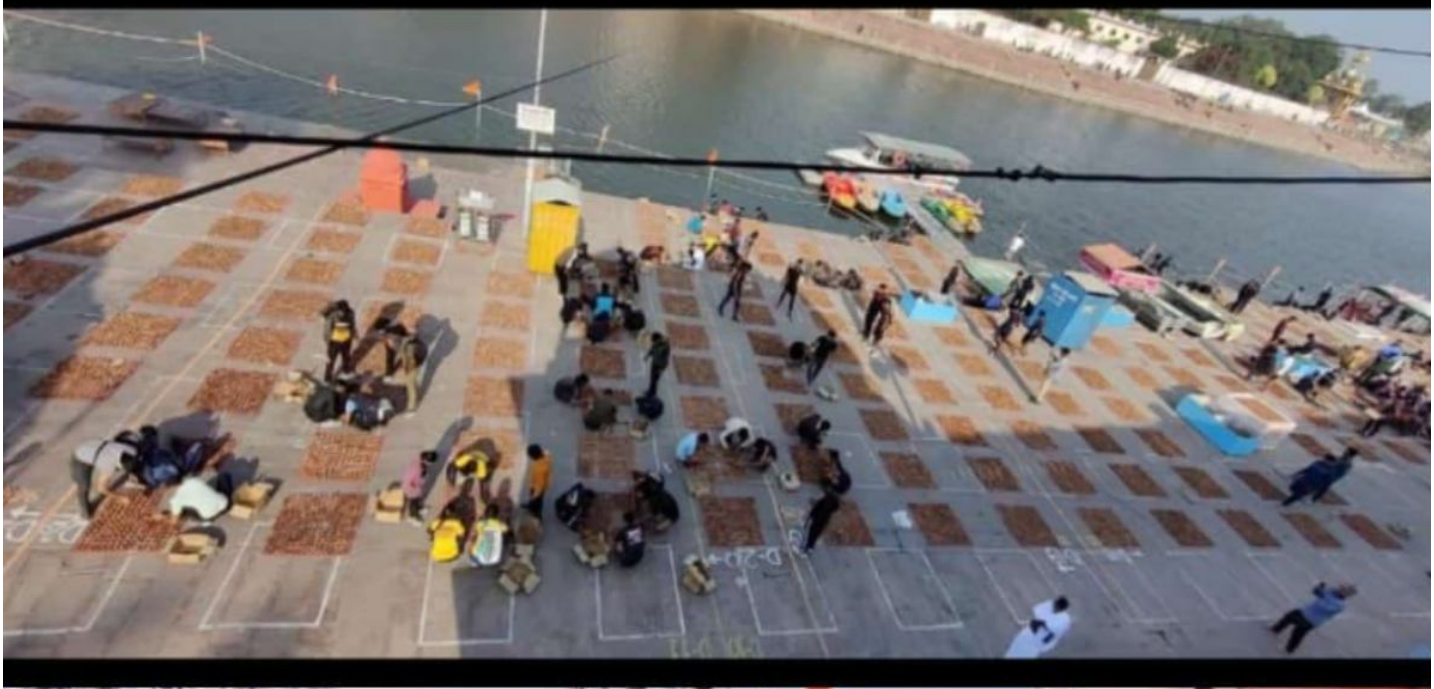

त्रिभुवन वंदिता शिप्रा